आठ नंबर बस्ती की टायर दुकान में लगी आग:बर्नपुर. वार्ड संख्या 57 अंतर्गत आठ नंबर बस्ती स्थित महात्मा गांधी स्कूल के समक्ष स्थित व्यास कुशवाहा के टायर दुकान में मंगलवार की शाम आग लगने से ढाई लाख रुपये मूल्य का सामान जलकर राख हो गया. श्री कुशवाहा ने बताया कि वे रात को नौ बजे दुकान बंद कर अपने घर गये. रात को 10.30 बजे उनको मोबाइल फोन पर खबर मिली कि उनके दुकान में आग लगी है. लाला लाजपात राय क्लब के सदस्यो ने हीरापुर थाना में फोन कर आग लगने की सूचना दी. पुलिस की सूचना पर राज्य सरकार के दमकल विभाग कर्मियो ने मौके पर पर पहुंचकर आग को नियंत्रित किया. एक घंटे की कडी मशक्कत के बाद आग बुझायी गई. दुकान में पड़े सारे टायर, हवा बनाने की मशीन तथा कम्प्यूटर सामग्री जलकर राख हो गया.

गुड न्यूज. आपात स्थिति, गंभीर रोगों से पीड़ित रोगियों के हित में आइएमए का निर्णय

चिकित्सकों का पैनल टोल फ्री नंबर पर

- आसनसोल जिला अस्पताल के चिकित्सकों को भी किया जायेगा शामिल
- टीम में शामिल रहेंगे न्यूरो, कॉर्डियो, मधुमेह, रक्त चाप, अस्थि विशेषज्ञ
- पर्याप्त एंबुलेंस, जिला अस्पताल में पर्याप्त औषधि की भी रहेगी उपलब्धता

आसनसोल. त्योहारों के सीजन में आपातस्थितियों एवं गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की आसनसोल शाखा के चिकित्सक नि:शुल्क चिकित्सकीय परिसेवा मुहैया करायेंगे. इसके लिए आइएमए एक पैनल बनाकर सभी विभागों के चिकित्सकों को शामिल कर चिकित्सकों की आपात टीम बनायेगी. टीम में जिला अस्पताल के चिकित्सकों का भी सहयोग लिया जायेगा. टीम में न्यूरो, कॉर्डियो, मधुमेह, रक्त चाप, अस्थि आदि सभी विभागों के विशेषज्ञ चिकित्सकों को शामिल किया जायेगा. आईएमए के स्तर से जल्द ही टोल फ्री नंबर जारी किया जायेगा. टोल फ्री नंबर पर फोन करते ही चिकित्सकों की आपात टीम सहायता के लिए पहुंचेगी. आइएमए के अध्यक्ष डॉ अजय कुमार सेन ने कहा कि दुर्गापूजा बंगाल का सबसे बड़ा और लोकप्रिय उत्सव है. आनंद और उल्लास से भरपूर नौ दिवसीय त्योहार को लेकर लोग साल भर योजना बनाते हैं ओर त्योहारों में सपरिवार बाहर घुमने जाते हैं. उन्होंने कहा कि दुर्गापूजा के दौरान शिल्पांचल के अधिकांश नर्सिंग होम, प्राईवेट होस्पिटल के चिकित्सक लंबी छुट्टी पर चले जाते हैं. शहर के अधिकांश डायग्नोस्टिक सेंटर भी बंद रहते हैं.

उन्होंने कहा कि जिले में बडी संख्या में गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीज हैं. जिनमें वरिष्ठ नागरिकों की संख्या सबसे अधिक है. जिनको नियमित चिकित्सकीय निगरानी की जरूररत होती है. पूजा के समय होने वाली दुर्घटनाओं का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि तेज रफ्तार, नशा सेवन कर वाहन चलाने व पटाखों के संपर्क में आने से जलने व दुर्घटनाओं के मामले ज्यादा आते हैं. परंतु चिकित्सकों के शहर से बाहर रहने के कारण मरीज को जोखिम बना रहता है. उन्होंने कहा कि आइएमए हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दुर्गापूजा के दौरान मरीजों एवं नागरिकों को आपात चिकित्सा सेवा प्रदान करेगा. त्योहार के दौरान पर्याप्त एंबुलेंस, जिला अस्पताल में पर्याप्त औषधियों की भी व्यवस्था की जायेगी.

केजी अस्पताल में वाह्य विशेषज्ञ चिकित्सक होंगे उपलब्ध

चितरंजन. चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना (चिरेका) के कस्तूरबा गांधी अस्पताल में वाह्य विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा जटिल रोगों का उपचार किया जायेगा. एक अक्तूबर से विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सक निर्धारित समय सारणी दिन के 11:00 बजे से दोपहर एक बजे तक अलग-अलग दिवस पर पहले 30 पंजीकृत रोगियों का उपचार करेंगे. केजी हॉस्पिटल के रिसेप्शन काउंटर पर चिकित्सा लाभ लेने वाले रोगी और उनके परिजन पंजीकरण करा सकते हैं. इस चिकित्सा सुविधा से संबंधित अन्य जानकारी के लिए भी रोगी रिसेप्शन काउंटर पर संपर्क कर सकते हैं. यह विशेष क्लीनिक का आयोजन केजी अस्पताल के कमरा नंबर 88 में होगा. बाहर से आमंत्रित विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा रेलवे डॉक्टरों से सलाह प्राप्त पहले 30 पंजीकृत रोगियों का उपचार किया जाएगा. अधिकृत सूचीबद्ध निजी अस्पताल से आने वाले वाह्य विशेषज्ञ चिकित्सकों में पहली अक्तूबर को डॉ देबाशीष भट्टाचार्य (न्यूरोलॉजिस्ट), 14 अक्तूबर को डॉ ललन कुमार (गैस्ट्रोलॉजिस्ट), 15 अक्तूबर को डॉ समुज्जला देव (डर्मेटोलॉजिस्ट), 16 अक्तूबर को डॉ निधि ठाकुर (गायनी एंड ओबीएस), 17 अक्तूबर को डॉ एसपी सिंह (ऑर्थोपेडिक), 21 अक्तूबर को डॉ देबरगा (कार्डियोलॉजिस्ट), 22 अक्तूबर को डॉ श्रवण जोगु (नेफ्रोलॉजिस्ट), 23 अक्तूबर को डॉ जगन्नाथन.एस (पल्मनोलॉजिस्ट), 25 अक्तूबर को डॉ देवदीप मुखर्जी/ डॉ अरित्र सेनगुप्ता (पेडियाट्रिक्स), 31 अक्तूबर को डॉ सौरभ चौधरी (जीआई सर्जरी) शामिल हैं.

हड़ताल से इसीएल का उत्पादन, डिस्पैच बाधित

सांकतोड़िया. कोयला खनन क्षेत्र में सौ फीसदी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति के खिलाफ पांचो केंद्रीय श्रम संगठनो द्वारा एकदिवसीय हड़ताल से ईसीएल को लगभग 60 हजार टन कोयले का उत्पादन तथा डिस्पैच प्रभावित हुआ है. सीएमडी के तकनीकी सचिव नीलाद्रि राय ने कहा कि हड़ताल और वर्षा से सबसे ज्यादा प्रभावित चार एरिया पूर्ण रूप से प्रभावित हुए. इनमें राजमहल, मुगमा, बंकोला तथा सोदपुर क्षेत्र प्रभावित रहे. अन्य क्षेत्रों में उत्पादन सामान्य रहा. उन्होंने कहा कि कंपनी में रोजाना एक लाख पंद्रह हजार टन कोयला उत्पादन हो रहा है. हड़ताल के दिन 56 हजार टन कोयला उत्पादन हो सका. राजमहल एरिया से 45 हजार, मुगमा से पांच हजार, बंकोला से पांच हजार तथा सोदपुर से 12 सौ टन कोयला उत्पादन का नुकसान हुआ है.

मंत्री के आश्वासन पर बीएमएस की हड़ताल स्थगित

आसनसोल. कोयला उद्योग में सौ फीसदी एफडीआई के निर्णय की अनुमति के खिलाफ कोल इंडिया में बीएमएस की 23 सितंबर से जारी पांच दिवसीय हड़ताल के मुद्दे पर बीएमएस नेतृत्व के साथ कोयला व खनन मंत्री प्रहलाद जोशी ने बैठक की. मंत्री श्री जोशी ने आश्वस्त किया कि कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) तथा एससीसीएल में सरकार एफडीआई लागू नहीं करेगी. उन्होंने अपने आधिकारिक ट्वीटर पर भी इसका जिक्र किया. उसमें उन्होंने कहा है कि वे बीएमएस तथा सीआईएल के सभी स्टेकहोल्डरों से अपील करते हैं कि सरकार सीआईएल या एससीसीएल में एफडीआई लागू करने के पक्ष में नहीं है. इस मुद्दे पर सरकार सभी ट्रेड यूनियनों के साथ खुली चर्चा के लिए तैयार हैं. उन्होंने बीएमएस से अपील की है कि वह अपनी हड़ताल वापस ले ले. मंत्री श्री जोशी के इस आश्वासन के बाद अखिल भारतीय कोयला खदान मजदूर संघ (बीएमएस) ने तत्काल प्रभाव से अपनी हड़ताल स्थगित कर दी. संघ नेतृत्व ने सदस्यों से कार्य पर लौटने की अपील की. यह जानकारी संघ के महासचिव विरजेश उपाध्याय ने विज्ञप्ति जारी कर दी.

डिजीटल इंडिया की ओर अग्रसर

बी. बी. सिंह, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी

सुप्रभात
देवियों एवं सज्जनों

कंपनी की 54वीं वार्षिक आम सभा मे एमएसटीसी लिमिटेड के निदेशक मंडल की ओर से आप सभी का स्वागत करते हुए मुझे बेहद खुशी हो रही है तथा आज हमारे साथ होने का समय निकालने के लिए मैं आप सभी को धन्यवाद देता हूँ। आप सभी से रुबरू होना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है। हाल ही के वर्षों के दौरान आपने कंपनी के प्रति जो विश्वास और भरोसा दिखाया है उसके लिए मैं अपना आभार प्रकट करता हूँ। हमेशा की तरह, हम न सिर्फ अपने व्यवसाय मे वृद्धि के लिए बल्कि अपने सभी शेयरधारकों हेतु निरंतर रूप से मूल्य तैयार करने की हर सम्भव कोशिश करने के प्रति समर्पित हैं।

आपको वितरित किए गए वर्ष 2018-19 के वार्षिक प्रतिवेदन मे शामिल है 54वीं वार्षिक आम सभा की सूचना, निदेशकों का प्रतिवेदन तथा 31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष हेतु कंपनी के लेखों का विवरण। आपकी अनुमति से मैंने उसे पढ़ा है। अब आपकी अनुमति से, मैं कंपनी के विकास पर प्रकाश डालना चाहूँगा।

आर्थिक एवं व्यावसायिक परिवेश

पिछले कुछ वर्षों से भारत की अर्थव्यवस्था विश्व मे सबसे तेजी से बढ़ रही है तथा वर्ष 2023 तक यह विश्व मे पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो जाएगी। जहाँ तक जीडीपी का सवाल है भारत का स्थान विश्व की सर्वोच्च 10 अर्थव्यवस्थाओं मे से एक है।

भारत को निर्माण का केन्द्र बनाने के लिए भारत सरकार ने "मेक इन इंडिया", "स्कील इंडिया" एवं "स्टार्टअप इंडिया" जैसी कई पहल शुरू की है तथा भारतीय अर्थव्यवस्था मे उद्योग क्षेत्र का योगदान बढ़ाया है।

निर्माण एवं उत्पादन गतिविधियो मे प्रगति के बल पर उद्योग क्षेत्र मे वर्ष 2018-19 के दौरान वृद्धि दर मे तेजी आयी है। वर्ष 2025 तक 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था हासिल करने के लक्ष्य के लिए भारत सरकार की रणनीति की योजना देश मे तेजी से बढ़ती हुई मांग को निश्चय ही परिचालित करेगी।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान :

कई चुनौतियो के बावजूद, आपकी कंपनी ने परिचालनगत स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। फिर भी कंपनी ने चालू वित्त वर्ष मे हानि का सामना किया है जो सिर्फ पुराने समय से संबंधित बकायों के लिए किए गए प्रावधानो के चलते हुआ है।

- कंपनी ने स्क्रैप की बिक्री मे लगभग 21% की वृद्धि दर्ज की है।
- ई-बिक्री व्यवसाय मे भी काफी अच्छा प्रदर्शन हुआ है तथा लगभग 35% की वृद्धि दर्ज की गई है।
- ई-प्रोक्योरमेंट के क्षेत्र मे लगभग 38% की वृद्धि दर्ज की गई है।
- कंपनी ने अपने शेयरधारकों को 1 : 1 के अनुपात मे बोनस शेयर जारी किए हैं।
- कंपनी ने 29 मार्च, 2019 को इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार के जरिए भारत के राष्ट्रपति द्वारा बिक्री हेतु एक प्रस्ताव के जरिए प्रत्येक रु.10/- मूल्य के 1,76,70,400 इक्विटी शेयरों का प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (आईपीओ) लाया था। सार्वजनिक रूप से जुड़ने के कारण अब हम शेयरधारकों के प्रति और अधिक जिम्मेदार हो गए है तथा मुझे यह पूरा विश्वास है कि कंपनी निकट भविष्य मे सफलता के नए शिखर पर पहुँचेगी। पर्याप्त लाभ न होने के कारण आपके निदेशकों ने वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए किसी भी लाभांश के भुगतान की सिफारिश नही की है।

एमएसटीसी के फायदे

सूचीबद्ध कंपनी होने के नाते, एमएसटीसी अपने प्रतियोगियों से आगे है तथा ई-कॉमर्स के क्षेत्र मे पूर्वगामी है। अपने ग्राहकों को पारदर्शी, उचित एवं बाधारहित ई-कॉमर्स सेवाएँ प्रदान करने के लिए आपकी कंपनी के पास है बहु संख्यक सरकारी एवं निजी संस्थानों की सेवा करने की विशेष योग्यता। किसानों तक पहुँचने तथा उनकी पैदावार के लिए उचित कीमत प्रदान करने के साथ ही साथ बिचौलियों को दर किनार करके उपभोक्ता तक वाजिब दामों मे अच्छे एवं सही उत्पाद पहुँचाने के लिए कंपनी हर सम्भव प्रयास कर रही है। अत:, उपभोक्ताओं की मांग तथा किसानों की आय बढ़ाने के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए एमएसटीसी काफी अच्छा काम कर रही है। इससे उचित एवं पारदर्शी तरीके से किसानों की आय दुगुनी करने का भारत सरकार का लक्ष्य पूरा होगा।

पिछले कुछ वर्षों से भारतीय ई-कॉमर्स क्षेत्र उल्लेखनीय प्रगति का गवाह रहा है, जिसने विदेशी निवेशकों को अपनी ओर आकर्षित किया है तथा हमें विश्वास है कि हमारी कंपनी इस क्षेत्र मे वृद्धि के लिए पूरी तरह से तैयार है। एमएसटीसी ने हमेशा से अपने व्यवसाय क्षेत्र मे प्रथम प्रस्तावक का लाभ उठाया है।

श्रेडिंग प्लांट के लिए एमएसटीसी एवं महिन्द्रा एक्सेलो का संयुक्त उद्यम

परिचालन के क्षेत्र मे विस्तार तथा भारत मे इस्पात उद्योग के सहयोग के लिए हमारी कंपनी ने एमएमआरपीएल के माध्यम से रिसाइक्लिंग क्षेत्र मे प्रवेश किया। ईएलवी एवं अन्य व्हाईट गुडस की रिसाइक्लिंग इन्हें श्रेडेड स्क्रैप मे परिवर्तित करके, जो कि इस्पात संयंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है, के लिए भारत मे अपनी तरह का एक अत्याधुनिक ऑटो श्रेडिंग प्लांट की स्थापना करने को तैयार है एमएमआरपीएल। ऑटो श्रेडिंग प्लांट के लिए एक फीडर यूनिट के रूप मे एक कलेक्शन एवं डिसमैंटलिंग सेन्टर की स्थापना ग्रेटर नॉएडा मे की गई है। चेन्नई मे द्वितीय सेन्टर हेतु कार्य प्रक्रिया मे है। इस वित्तीय वर्ष मे दो और ऐसे कलेक्शन एवं डिसमैंटलिंग सेन्टर की स्थापना की जा रही है, जो कि मुख्य ऑटो श्रेडिंग प्लांट के लिए एक सप्लाई फीडस्टॉक के रूप मे कार्य करेंगें।

परिचालनगत उत्कृष्टता

देश की एक प्रमुख स्टैंडअलोन ई-कॉमर्स कंपनी, एमएसटीसी के व्यवसाय क्षेत्र मे शामिल है सेलिंग एजेंसी बिजनेस, स्क्रैपों एवं अन्य वस्तुओं की ई-बिक्री, ई-प्रोक्योरमेंट आदि। हमने पेट्रोलियम उद्योग, एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप के चयन हेतु ऑनलाइन ड्रॉ सिस्टम, ई-रकम (ई-राष्ट्रीय किसान एग्री मंडी) पोर्टल आदि जैसे अनोखे एग्जीम पोर्टल का विकास किया है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान एमएसटीसी ने कई अन्य नीलामियों के साथ हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी एवं गाजियाबाद डेवलपमेंट अथॉरिटी के लिए क्रमश: नीलामियाँ एवं भूखण्ड विकसित की है।

कृषि मंत्रालय की ओर से जैविक कृषि उपज की बिक्री के लिए जैविकखेती पोर्टल शुरू किया गया, जिसने किसानों और उपभोक्ताओं को आपस मे जोड़ा है।

एमएसटीसी ई-कॉमर्स क्षेत्र मे तेजी से प्रगति करने के साथ ही साथ पारदर्शी एवं निष्पक्षता का दावा करने वाली डिजीटल इंडिया जैसी भारत सरकार की विभिन्न पहल के कार्यान्वयन की साक्षी है। भारत सरकार की "लुक ईस्ट" एवं "एक्ट ईस्ट" नीतियों के तहत एमएसटीसी ने किसानो के हितो के लिए कई कदम उठाएँ है, जिससे एनएबीएआरडी, एनईआरएएमएसी, सीआरडब्ल्यूसी, एफपीओ जैसे अन्य स्टेकधारकों सहित, पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोग लाभान्वित होंगे तथा अपने विकास के लिए मिलकर काम करेंगे। हाल के प्रयासों से नए-नए अवसर सामने आएँगे तथा ज्यादातर राज्य सरकारों के साथ उनका अनुबंध फलप्रद होगा तथा एमएसटीसी के लिए राजस्व मे बढ़ोत्तरी होगी। ई-प्रोक्योरमेंट से एमएसटीसी को व्यवसाय के क्षेत्र मे गहरे प्रभाव छोड़ने तथा नए-नए व्यापार हासिल करने मे मदद मिलेगी।

भावी दृष्टिकोण

शिप-ब्रेकिंग

स्क्रैप की बिक्री के विशाल बाजार पर अपना दबदबा कायम करने के लिए एमएसटीसी शिप को तोड़ने के उद्योग पर अपनी नजरें गड़ाए हुए है तथा इंटीग्रेटेड शिप ब्रेकिंग यार्ड की स्थापना की ओर अग्रसर है।

खनिज एवं खनिज ब्लॉक

अपने अत्यन्त अनुकूल ई-कॉमर्स पोर्टल के जरिए देश मे कोयला तथा छोटे एवं बड़े खनिज ब्लॉक का आवंटन करनेवाली एक नामांकित एजेंसी है एमएसटीसी।

माइन डेवलपर-कम-ऑपरेटर का चयन ज्यादातर एमएसटीसी के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल के जरिए किया जाता है। इसके अलावा, सभी प्रमुख खनिजों सहित कोयले की बिक्री ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल के जरिए की जा रही है।

कृषि-बागवानी एवं वन उत्पाद

एमएसटीसी ने भारत मे वन एवं कृषि क्षेत्र मे सम्पर्क बढ़ाया है जो बड़ा बाजार है। एमएसटीसी असरदार विपणन रणनीतियों एवं नियमित सेवाओं के माध्यम से पूर्वोत्तर के जैविक एवं प्राकृतिक रूप से उपजनेवाले कृषि-बागवानी उत्पादों को उन्नत बाजार तक पहुँचाने के लक्ष्य हेतु प्रयास कर रही है।

ई-प्रोक्योरमेंट

एमएसटीसी ई-प्रोक्योरमेंट व्यवसाय का कठोर परिश्रम से अनुसरण करती है, जो इसकी एक बड़ी क्षमता है।

ई-रिटेल सॉफ्टवेयर

तेल विपणन कंपनियों के लिए एक अनोखे एग्जीम पोर्टल का विकास तथा सरकारी एवं विशेष रूप से एमएसएमई जैसे निजी संगठनों के लिए ई-रिटेल सॉफ्टवेयर समाधान प्रदान करना निकट भविष्य मे एमएसटीसी के लिए एक बड़ा अवसर साबित होगा।

अनर्जक परिसम्पत्तियाँ (एनपीए)

एमएसटीसी द्वारा सरकारी एवं निजी कंपनियों के लिए एनपीए के रूप मे चल एवं अचल परिसम्पत्तियों की नियमित नीलामी आयोजित की जाती है। लेकिन एकल सेवा प्रदाता द्वारा एनपीए की बिक्री के समेकन के लिए बैंकों की हाल की कार्रवाई दांव पर है तथा एमएसटीसी भविष्य मे इस व्यवसाय को लपकने के लिए तैयार है।

निजी कंपनियों को लक्ष्य बनाना

एमएसटीसी निजी क्षेत्र से अप्रयुक्त ई-कॉमर्स व्यवसाय पर ज्यादा ध्यान दे रही है तथा इस प्रयास मे एमएसटीसी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंडस टावर, टाटा पावर, अदानी ग्रुप, लार्सन एण्ड टुब्रो, वेदान्ता आदि के साथ बड़े समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

विदेशी पदचिह्न को लक्ष्य बनाना

एमएसटीसी अपनी सम्पूर्ण ई-कॉमर्स सेवाओं के लिए विदेशों मे अपने पंख फैलाना चाहती है।

अवसर

- ई-कॉमर्स : एमएसटीसी देश मे एक प्रमुख स्टैंडअलोन ई-कॉमर्स सेवा प्रदाता के रूप मे उभरी है। भारत सरकार की प्रमुख परियोजनाओं सहित नए एवं विविध व्यापारों मे अपनी कोशिशों के साथ इसने इस क्षेत्र मे बहु संख्यक वृद्धि की सम्भावना देखी है।
- एमएसटीसी निजी क्षेत्र मे अप्रयुक्त क्षमताओं के दोहन की कड़ी कोशिश कर रही है।
- रिसाइक्लिंग क्षेत्र : एमएसटीसी एक रिसाइक्लिंग नीति तैयार करने की पहल की अगुवाई कर रही है। ऑटोमोबाइल क्षेत्र, ई-वेस्ट तथा सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट क्षेत्र मे रिसाइक्लिंग प्लांट की स्थापना करने मे इसकी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। ये क्षेत्र उभरते हुए क्षेत्र है।

आशंका

- जीईएम पोर्टल-अनावरण से अवसर घटना-माल एवं सेवाओं के ई-प्रोक्योरमेंट मे व्यवसाय के लिए जीईएम पोर्टल के इस्तेमाल पर सरकारी निर्देश एक प्रहार है। ई-प्रोक्योरमेंट मे कार्य का अवसर घटेगा क्योंकि किसी भी निगम के व्यवसाय का मुख्य भाग माल एवं सेवाओं की प्राप्ति पर खर्च होता है।
- ट्रेडिंग व्यवसाय : जहाँ तक नीति का सवाल है, एमएसटीसी ने शामिल जोखिम के चलते परम्परागत ट्रेडिंग व्यवसाय को सुरक्षित तरीके से करने का निर्णय लिया है। हालांकि, यह आर्थिक वृद्धि मे आई मन्दी को दोबारा ठीक करने का प्रयास कर रही है तथा एनपीए आदि मे भारी वृद्धि ने क्रेडिट सिस्टम को अस्थिर कर दिया है तथा इससे व्यवसाय के लिए एक कठिन परिदृश्य बना हुआ है।

सम्मान एवं पहचान

वर्ष के दौरान आपकी कंपनी ने अपनी गतिविधियों के विभिन्न क्षेत्रों मे कई सम्मान प्राप्त किए हैं। कुछ उल्लेखनीय सम्मान निम्नलिखित है :

1. माननीय उप राष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू ने प्रथम राजभाषा कीर्ति पुरस्कार प्रदान किया।
2. नेशनल एडूकेशन अवार्ड के तहत आपकी कंपनी को देवांग मेहता द्वारा, "कोलकाता बेस्ट एम्प्लॉयर ब्रॉण्ड अवार्ड 2017" दिया गया।
3. हिन्दी के क्षेत्र मे उत्कृष्ट कार्य करने के लिए इस्पात मंत्रालय द्वारा "इस्पात राजभाषा विशिष्ट सम्मान" से सम्मानित किया गया।
4. जेवी कंपनी के अधीन ग्रेटर नॉएडा मे एमएसटीसी के कलेक्शन एवं डिसमैंटलिंग सेन्टर को एनसीटी दिल्ली द्वारा "नेशन्स फर्स्ट अथॉराइज्ड रिसाइक्लींग सेन्टर फॉर एंड ऑफ लाइफ वेहिकल्स" घोषित किया गया।

मानव संसाधन

मानव संसाधन को हमने हमेशा से विशेष महत्व दिया है तथा विभिन्न कर्मचारी हित लाभ कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। हम सभी के बीच औद्योगिक संबंध बेहद सौहार्दपूर्ण एवं सहभागिता वाले हैं। अपने ग्राहकों तक आसानी से पहुँचने के लिए भारत के कई शहरों मे कार्यालय खोले गए और ज्यादा व्यवसाय उत्पन्न करने तथा ग्राहकों की सभी प्रकार की जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी शाखाओं मे गैर कार्यकारी तथा व्यापार बढ़ाने के लिए अधिकारियों की नियुक्ति की गई। प्रबंधन की ओर से मैं आपको यह निश्चिन्त कर देना चाहता हूँ कि विवेकपूर्ण तथा अनुभवी बोर्ड के सदस्य, एक दक्ष एवं निष्ठावान श्रमबल एवं मजबूत आर्थिक संसाधन के साथ शेयरधारकों के हितों को ध्यान मे रखते हुए हर वाजिब कोशिश हम करते रहेंगे।

सीएसआर

दोस्तो, आपके लगातार सहयोग, विश्वास एवं प्रोत्साहन ने समाज एवं समुदाय की जीवन शैली को बेहतर बनाने के लिए हमारी काफी मदद की है। हमने ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्र मे विभिन्न प्रकार की सामाजिक विकास परियोजनाएँ शुरू की है। आपकी कंपनी ने स्वास्थ्य देखभाल, साफ सफाई एवं प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र मे विशेष जोर दिया है तथा भविष्य मे भी समाज की उन्नति एवं विकास के लिए कार्य करती रहेगी। वर्ष 2018-19 के लिए सीएसआर गतिविधियो मे खर्च की गई कुल राशि है रु. 20.00 मिलियन।

निवेशक सेवाएँ

कंपनी के शेयर को एनएसडीएल एवं सीडीएसएल दोनो डिपॉजिटरिज मे डिमटेरियलाइज्ड कर दिया गया है। कंपनी के 14202 शेयरधारकों मे से 94 शेयरधारकों के पास शेयर अभी भी भौतिक मोड मे है। मै अवशिष्ट शेयरधारकों से यह अनुरोध करता हूँ कि वे अपने शेयरों को डिमटेरियलाइज्ड करा लें, ताकि "अनक्लेम्ड बोनस सस्पेन्स एकाउण्ट" मे पड़े हुए बोनस शेयर संबंधित शेयरधारकों के डिमैट एकाउण्ट मे अंतरित कर दिए जा सकें। तत्पश्चात इससे शेयरधारकों को समय पर उनका लाभांश भी प्राप्त होगा।

निगमित अभिशासन

आपकी कंपनी हमेशा निगमित अभिशासन अभ्यास के उच्चतर मानक को बनाए रखने की कोशिश करती रहती है। आपकी कंपनी डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइस (डीपीई) फॉर सीपीएसई तथा एसईबीआई (लिस्टिंग ऑब्लीगेशन एंड डिसक्लोजर रिक्वायरमेंट) रेगुलेशन 2015 द्वारा तैयार किए गए निगमित अभिशासन पर सरकारी दिशानिर्देशों का पूर्ण पालन करती है। आपकी कंपनी निरंतर अपने शेयरधारकों के सर्वोत्तम हितो के लिए कार्य करती है तथा इन जिम्मेदारियो को पूरा करने के लिए अपनी निगमित आचार को मोल्ड करती है। कंपनी ऐसी प्रणाली एवं प्रक्रिया की स्थापना करती है ताकि उसके निदेशक मंडल को कंपनी की नीतियो के बारे मे सटीक जानकारी हो तथा वे लापरवाही का त्याग कर सकें तथा सभी स्टेकधारकों के लिए सम्पूर्ण मूल्य मे वृद्धि कर सकें। आपकी कंपनी बदलती परिस्थितियो के अनुसार खुद को ढालने तथा उसे स्वीकार करने मे अपनी सर्वोत्तम कोशिश करती है तथा अपने नियंत्रण के अंदर निगमित अभिशासन दिशानिर्देश/मापदण्ड का निरंतर अनुपालन करती है।

आभार

मैं, वर्ष के दौरान कंपनी को दिए गए बहुमूल्य सहयोग एवं दिशानिर्देश के लिए माननीय केन्द्रीय इस्पात मंत्री, माननीय इस्पात राज्य मंत्री, सचिव (इस्पात), अपर सचिव तथा एफए (इस्पात) एवं इस्पात मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, कोयला मंत्रालय, खनन मंत्रालय, नागरिक एवं उड्डयन, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा केन्द्र सरकार के अन्य विभिन्न मंत्रालय, सभी राज्य सरकारों, विभिन्न केन्द्र एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, निजी कंपनियो, बैंकरों, हमारे प्रिन्सिपलों एवं अन्य के प्रति अपना हार्दिक आभार प्रकट करता हूँ। मै सभी स्तर पर हमारे विभिन्न कर्मचारियों द्वारा किए गए प्रयासों के लिए उनका अभिवादन करता हूँ। मै साल दर साल आपकी कंपनी मे अपना विश्वास एवं भरोसा रखनेवाले सभी शेयरधारकों, ग्राहकों एवं आपूर्तिकर्ताओं को ह्रदय से धन्यवाद देता हूँ तथा आपको यह भरोसा दिलाता हूँ कि हमारे शेयरधारकों के लिए और ज्यादा मूल्य तैयार करने की कोशिश हम जारी रखेंगे।

धन्यवाद
जय हिन्द !
स्थान : कोलकाता
तारीख : 25.09.2019

बी.बी. सिंह
बी.बी.सिंह
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

(यह वार्षिक आम सभा की कार्यवाही का रिकॉर्ड नहीं है)

एम एस टी सी लिमिटेड (भारत सरकार का उपक्रम) MSTC LIMITED (A GOVT. OF INDIA ENTERPRISE)
www.mstcindia.co.in

ई-गर्वनेंस के जरिए ई-कॉमर्स, अर्थनीति एवं पर्यावरण को प्रोत्साहन
Promoting e-commerce, economy & environment through e-governance